॥ श्री ॥

मोक्षमार्गप्रकाशक

MOKSHAMAARGAPRAKAASHAKA

टोडरमल · १८वीं शती · अभिलेख ८७/९०

टोडरमल

संक्षिप्त परिचय

पं. टोडरमलजी (जयपुर) कृत — ढूंढारी हिन्दी गद्य में मोक्षमार्ग का व्यवस्थित, तर्क-पुरस्सर प्रकाशन; कुदेव-कुगुरु-कुधर्म की परीक्षा से लेकर निश्चय-व्यवहार के सन्तुलन तक।

आयु पूर्ण होने से नौवाँ अधिकार अधूरा रहा, फिर भी हिन्दी जैन वाङ्मय का सर्वाधिक प्रभावशाली ग्रन्थ यही माना जाता है।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

मोक्षमार्गप्रकाशक — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ८७ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता टोडरमल; रचना-काल १८वीं शती (लगभग)। इसी लेखनी से रहस्यपूर्ण चिट्ठी भी इस सूची में सम्मिलित है। समकालीन ग्रन्थों में गोम्मटसार पूजा-टीका परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

रहस्यपूर्ण चिट्ठी

समकालीन ग्रन्थ

गोम्मटसार पूजा-टीका

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ८७ — मूल छायाचित्र

← तत्त्वदीपिका

रहस्यपूर्ण चिट्ठी →